।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 चैत्र शुक्ल द्वितीया, 16-31 मार्च 2025 (16-31 March 2025), • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 20 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

वक्फ बिल को लेकर क्यों डरा हुआ है मुसलमान?

नई दिल्ली : लोकसभा से पारित होने के बाद वक्फ बिल 3 अप्रैल को राज्यसभा में पेश किया गया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरन रिजीजू ने बिल को पेश किया और मुस्लिम समाज को आश्वस्त किया कि वक्फ बिल मुसलमानों के कल्याण के लिए लाया जा रहा है और इसका कोई दूसरा एजेंडा नहीं है. वक्फ की संपत्ति पर सही तरह से ट्रैकिंग की जाएगी, ताकि उसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के हित में सही तरीके से हो. सरकार के इस ठोस आश्वासन के बावजूद देश का मुसलमान वक्फ बिल को लेकर डरा हुआ है, उसके मन में कई तरह की आशंकाएं हैं.

वक्फ बिल को लेकर मुसलमानों के मन में यह शंका है कि अगर वक्फ संशोधन बिल पास हुआ तो मुसलमानों का हक मारा जाएगा और कहीं ना कहीं यह ऊपर के धर्म में हस्तक्षेप भी होगा. हालांकि वक्फ संशोधन बिल को पेश करते हुए सरकार ने यह कई बार स्पष्ट किया कि सरकार की कोई मंशा धार्मिक कार्यों में हस्तक्षेप की नहीं है. सरकार बस यह चाहती है कि वक्फ की संपत्ति का गरीब मुसलमानों के लिए सही तरीके से इस्तेमाल हो. मुसलमानों की इस शंका पर अपनी राय व्यक्तकरते हुए मौलाना तहजीब कहते हैं कि इस्लाम में वक्फ अल्लाह के नाम पर दान की गई प्रॉपर्टी है, यानी उस प्रॉपर्टी के मालिक अल्लाह हैं हमारे शरीयत के मुताबिक, जो भी व्यक्ति वक्फ करता है, यानी दान करता है, उस संपत्ति को उसकी इच्छा अनुसार काम में इस्तेमाल किया जाता है. मसलन अगर कोई मस्जिद के लिए वक्फ करता है, तो उसकी संपत्ति से मस्जिद बनेगा. अगर वह शिक्षा के लिए वक्फ करता है, तो उसकी संपत्ति से स्कूल खोले जाएंगे या और भी कई तरह के काम हो सकते हैं. अब जबकि सरकार उस वक्फ संपत्ति पर अपना नियंत्रण कायम कर रही है, तो मुसलमानों के मन में यह शंका है कि उस संपत्ति के साथ छेड़छाड़ हो सकती है और वक्फ का असली मकसद खो सकता है. इसी वजह से आम मुसलमान वक्फ बिल से डर रहा है. वक्फ बिल पेश करते हुए सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि वक्फ प्रॉपर्टी पर पूरी तरह से निगरानी रखी जाएगी. 2025 के बाद जो प्रॉपर्टी वक्फ को जाएंगी, ऊपर रजिस्ट्रेशन होगा, दस्तावेज की जांच होगी और तब ही उसके वक्फ प्रॉपर्टी माना जाएगा. इस बात को लेकर भी मुसलमान शंकित हैं. ऊपर मन में यह धारणा आ रही है कि क्या सरकार ऊपर साथ कोई भेदभाव कर रही है? इसकी वजह स्पष्ट करते हुए मौलाना तहजीब कहते हैं कि देश में कई न्यास, चर्च और अन्य संस्थाएं हैं, जिनके पास बहुत पैसा है, सरकार उनके पैसों पर नजर क्यों नहीं रख रही है. अगर सरकार की मंशा सिर्फ गरीबों का कल्याण ही है, तो उन्हें वक्फ के साथ-साथ अन्य धर्म के लोगों के पैसों पर भी निगरानी रखनी चाहिए, ताकि गरीबों का कल्याण हो. वक्फ संशोधन बिल की अभी जरूरत क्या थी, इसे लेकर भी मुसलमान समाज शंका में है. ऊर्हें इस बात का डर सता है कि जो संशोधन किए गए हैं उसकी वजह से वक्फ संपत्ति को नुकसान होगा. झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य मोहम्मद फैजी का कहना है कि 1995 में जो वक्फ बिल आया था, वह वक्फ प्रॉपर्टी के लिए एक तरह से सुरक्षा कवच था, लेकिन अब सरकार ने बेवजह उस बिल में संशोधन करके हमारे सुरक्षा कवच को तोड़ने का काम किया है. अगर सरकार यह दावा करती है कि वह मुसलमानों की मदद करना चाहती है और वक्फ का सही इस्तेमाल करना चाहती है, तो वक्फ बोर्ड के संचालन में जो खामी थी उसे दुरस्त करना चाहिए था, नए और कमजोर बिल की क्या जरूरत थी? इस बिल की वजह से वक्फ की संपत्ति गलत हाथों में चली जाएगी, जो बहुत गलत होगा. इस बात से मुस्लिम समाज डरा हुआ है. मुस्लिम समाज के लोग इस बात को स्पष्ट तौर पर मानते हैं कि वक्फ की संपत्ति के सही इस्तेमाल में कोताही हुई है और इसके लिए वक्फ बोर्ड ही जिम्मेदार है. आज भी कई वक्फ संपत्ति का बेजा इस्तेमाल हो रहा है. मौलाना तहजीब बताते हैं कि झारखंड में 200 से ज्यादा वक्फ हैं, लेकिन उनमें से 50 भी सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किए जा रहे हैं. इसकी वजह यह है कि वक्फ की संपत्ति को मुसलमानों ने भी बहुत बर्बाद किया है. अगर भारत सरकार वक्फ की संपत्ति को सही मायने में मुसलमानों की बेहतरी के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं सरकार के कदम का स्वागत करता हूं।

योगी सरकार के 8 साल : 227 अपराधी एनकाउंटर में ढेर, एक लाख पर एक्शन; 58,624 भेजे गए जेल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराधियों की कमर तोड़ कर रख दी गई है. इस दौरान एक लाख से अधिक अपराधियों को जेल और मुठभेड़ में 227 को यमलोक भेजा गया. इतना ही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत प्रदेशभर में दस का दम नामक विशेष ऑपरेशन चलाए गए. इसमें ऑपरेशन गरु ड़, इंगल, मजनू, रक्षा, बचपन, खोज, शील्ड, डेस्ट्रॉय, नशा मुक्ति और त्रिनेत्र आदि शामिल हैं. इन ऑपरेशन के जरिए यूपी पुलिस ने महिलाओं, बेटियों, बच्चों, युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की है. वहीं ऑपरेशन त्रिनेत्र ने जघन्य अपराधों का खुलासा कर अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेला है. डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि सीएम योगी की मंशानुसार मिशन शक्ति फेज-5 के तहत यूपी पुलिस ने प्रदेश भर में दस ऑपरेशन चलाए. यूपी पुलिस का यह अभियान अपराधियों के लिए काल बन गया है. योगी सरकार का दस का दम ऑपरेशन ने प्रदेश को अपराध से मुक्त करने की संकल्पना है, जिसे जमीन पर सफलतापूर्वक उतारा गया है. इन ऑपरेशन के जरिए एक लाख से अधिक लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई.

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रदेश भर में संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया. इसके बाद प्रदेश भर में 11,07,782 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए. ये सीसीटीवी थानों से जोड़े गए, ताकि कैमरा कंट्रोल रूम्स से घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए. इसी का नतीजा है कि डकैती, लूट समेत कुल 5,718 जघन्य अपराधों का सफल खुलासा किया गया.

महिलाओं और बच्चियों से जुड़े साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए 'ऑपरेशन गरुड़' चलाया गया. अभियान के तहत 2,597 प्राथमिकी पत्रों की जांच की गई, जिनमें से 2,407 का निस्तारण किया गया. वहीं पूर्व में पंजीकृत 1,179 अभियोग में से 449 का निस्तारण किया गया और 498 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया. साथ ही 405 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए गए. इसी तरह स्कूल-कॉलेजों के आसपास बच्चियों और महिलाओं से छेड़छाड़ करने वालों शोहदों के खिलाफ 'ऑपरेशन मजनू' चलाया गया.

इस अभियान में 7,554 स्थानों को चिह्नित किया गया और 58,624 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई. वहीं ऑपरेशन इंगल के तहत महिलाओं से संबंधित अपराधों में जेल से बाहर आए 7,963 अपराधियों में से गिरफ्तार-हाजिर अदालत 5,166 को चिन्हित किया गया. इस दौरान 2,683 अभियुक्त गिरफ्तार-हाजिर अदालत हुए. वहीं 4,294 के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई. 'ऑपरेशन रक्षा' के तहत स्पा सेंटर, मसाज पार्लर में छिपे मानव तस्करी के मामलों में 56 महिलाओं/बालिकाओं को रेस्क्यू कर 49 का पुनर्वास कराया गया. प्रदेश में बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति समेत बच्चे के अधिकारों के लिए ऑपरेशन बचपन और खोज चलाया गया. इसमें ऑपरेशन बचपन के तहत बाल श्रम व बाल भिक्षावृत्ति के मामलों में 2,860 बच्चों को बचाया गया. वहीं 1,207 केसों में कार्रवाई हुई. इसी तरह ऑपरेशन खोज के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, आश्रयगृहों से 3,327 गुमशुदा बच्चों को पुनर्वासित किया गया. 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत 29,773 एसिड की दुकानों को चेक किया गया. वहीं 725 के खिलाफ कार्रवाई की गई. 'ऑपरेशन डेस्ट्राय' के तहत अश्लील साहित्य व सीडी के 748 मामले दर्ज हुए. 'ऑपरेशन नशा मुक्ति' के तहत नशे के विरुद्ध 4,750 हॉट स्पॉट चिन्हित कर 2,752 अभियोग पंजीकृत किए गए और 33,391 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई.

भागलपुर आंखफोड़ा कांड की पुनर्वावृत्ति हुई हावड़ा में

हावड़ा : घटना शिवरात्रि के दिन शाम तकरीबन 7 से 7:30 बजे की है। उड़ीसा के रहने वाले व्यवसाय मुक्तिकांता दास का काफी पुराना उनके पूर्वजों का व्यवसाय है जिसे वह चला रहे थे, उनका कहना है कि फैजल नाम का एक युवक काफी दिनों पहले तकरीबन एक वर्ष पहले दुकान से उधार में सामान लिया था 400/- का। इसके बाद वह पैसा चुकता नहीं किया। काफी दिनों बाद वह वापस अपने दोस्तों के साथ शिवरात्रि के दिन शाम के समय उनके दुकान पर पहुंचा और फ्रिज में रखें ठंड की बोतल बाहर निकाला और सिगरेट की डिमांड की इस पर मुक्तिकांता दास ने उन्हें रोकते हुए कहा कि तुम्हारा पहले का भी पैसा बाकी है पहले वह पैसा चुकता करो फिर बाद में सामान लेना इस बात पर उनके साथ कुछ कहा सुनी हो गई। इस पर आव देखा न ताव वह युवक उसे ठंडे की बोतल से दुकानदार के उपर प्रहार करना शुरू कर दिया तब तक प्रहार किया जब तक की उसके आंख से लहू ना निकल गए। लहू निकलता देख वह वहां से भाग गया। घायल दुकानदार को देख स्थानीय लोगों ने नजदीक के एक क्लीनिक में ले गया जहां से उसे हावड़ा जिला अस्पताल में जाने की सलाह दी गई। इसके बाद उसे हावड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोलकाता एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया जहां पर चिकित्सकों ने एक शल्य चिकित्सा करने के बाद उसके आंख से निकल रहे रक्त को बंद किया और उनके परिजनों को सूचना दी कि अब यह जिंदगी भर इस बाई आंख से नहीं देख पाएंगे क्योंकि इनके आंख पूरी तरह से डैमेज हो चुकी है इन्हें ऑपरेशन करने के बाद पत्थर के आंख लगाने की सलाह दी गई। यह सुनते ही मानो दुकानदार के ऊपर आसमान टूट पड़ा वह फूट-फूट कर रोने लगा और ओड़ीसा में रहने वाले अपने परिजनो को फोन पर जानकारी दी। जानकारी मिलते ही ओड़ीसा से परिजन कोलकाता के लिए रवाना हुए देर शाम कोलकाता पहुंचने पर उन लोगों ने चिकित्सक से बात की तो उन्हें भी एक ही बात डॉक्टरो ने बताया कि उनकी बाई आंख की रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो गई है इनके आंख पर बुरी तरह से प्रहार किया गया है जिसके कारण अव्वय नहीं देख सकते इस आंख से इन्हें पत्थर की आंख लगाने की सलाह दी इसके बाद परिजनों ने अपने भाई को लेकर ओड़ीसा बेहतर चिकित्सा की उम्मीद में रवाना हुए। रवाना होने से पहले उन्होंने स्थानीय लोकल पुलिस स्टेशन में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। ऐसा कहना है जिसमें उन लोगों ने आरोपी युवक फैजल के नाम का उल्लेख किया है साथ ही उन्होंने कहा कि अगर इस तरह व्यवसाय करने वालों के उपर हमला हुआ तो आने वाले दिनों में यहां पर व्यवसाय करना काफी मुश्किल भरा काम होगा। उन्होंने जाते-जाते पुलिस प्रशासन व राज्य की मुखिया मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से आग्रह किया कि उन्हें न्याय मिले इसकी उन्हें पूरी उम्मीद है वह चाहते हैं कि उनके साथ जिस युवक ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया है उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

इस विषय पर भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम बंगाल राज्य के उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि बंगाल की तो यह स्थिति है कि यहां पर कोई भी लोग सुरक्षित नहीं है। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि यहां पर हमारे यहां बिजनेस सबमिट किया जाता है कि बड़े-बड़े व्यवसाय यहां आऐ और जो लोग दूसरे राज्य से यहां आ रहे हैं वह भी रोजगार की तलाश में ही आ रहे है रोजगार कर रहे हैं यहां पर ऐसा एक भय (डर) का माहौल है कि व्यवसाय लोग छोड़िए लोग घर से निकलते हैं तो यहां यही सोचते हैं कि हम घर कब फिर सही सलामत पहुंचेंगे, दुर्भाग्य की बात यह है कि यहां की पुलिस प्रशासन भी इतना एक्टिव नहीं है कि उन लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करके और उन्हें दंडित करें यहां व्यापारी ही नहीं यहां आम आदमी भी सुरक्षित नहीं है इस घटना की पुर्नावृति नहीं होनी चाहिए। ऐसा वातावरण बन रहा है कि बंगाल में बाहरी बाहरी जो यहां के मुख्यमंत्री कर रही है और वह बाहरी लोग जो ओड़ीसा हो बिहार हो या उत्तर प्रदेश के लोग हो यहां पर अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं ये लोग भयभीत रहते हैं। इस तरह की घटना बिहार में हुई थी पहले भागलपुर में आंख फोड़वा कांड अब यहां पर जो घुसी और लाठी डंडे से मार के आंख फोड़ दे रहे हैं जो पहले बिहार की स्थिति थी वही आज बंगाल की स्थिति बन चुकी है। वहीं इस घटना पर हावड़ा सिटी पुलिस के उच्च पदस्थ अधिकारी ने आफ कैमरा कहा कि थाने में लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस कार्रवाई कर रही है अपराधियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी एक घटना घटी है जहां दुकानदार को उधार में सामान ना देने पर उसके साथ मारपीट की गई खाली कांच की बोतल से हमला किया गया पूरे मामले की जांच की जा रही है अपराधी फैजल को गिरफ्तार किया गया है उसने पुलिस के सामने अपना दोष स्वीकार किया है।

डॉ. रौनित और डॉ. शैलेन्द्र के खिलाफ भाकपा माले उतरा सड़क पर

जयनगर (वैद्यनाथ झा) : भाकपा माले के प्रखंड कमिटी सदस्य का. महेश्वर पासवान के नेतृत्व में कोरहिया डिह टोल पर अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. कुमार रौनित एवं डॉ. शैलेन्द्र कुमार का पुतला फूका गया। स्थल पर रामू पासवान के अध्यक्षता में सभा आयोजित किया गया सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड कमिटी सदस्य कॉ. महेश्वर पासवान ने कहा कि भाकपा-माले के द्वारा प्रखंड सचिव भूषण सिंह के नेतृत्व में अनुमंडल अस्पताल मे डॉक्टरो का नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, ग्रामीण क्षेत्रो में वर्षो से बंद पड़े स्वास्थ्य उप केंद्र सह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को नियमित चालू कराने और लगातार प्राईवेट अवैध नर्सिंग होम में हो रहे मौत को देखते हुए डॉ. शैलेन्द्र कुमार के द्वारा संचालित आशा नर्सिंग होम सहित सभी प्राइवेट अवैध नर्सिंग होम को बंद करने व कार्रवाई करने की मांग को लेकर वर्षो से आंदोलन जारी किया जा रहा है। इसे देखते हुए 20 मार्च को उपाधीक्षक डॉ. कुमार रौनित के उकसावे पर अपराधी व्यवहार के डॉ. शैलेन्द्र कुमार के द्वारा प्रखंड सचिव भूषण सिंह व माकपा नेता शशि भूषण प्रसाद को मोबाईल पर गाली गलौज के साथ साथ जान से मारने की धमकी भी दिया और जब इसके विरोध में अलग अलग दो प्राथमिकी जयनगर थाना कांड संख्या - 87 व 88 /2025 उपाधीक्षक डॉ. कुमार रौनित एवं डॉ. शैलेन्द्र कुमार के उपर दर्ज करने पर अपराधी व्यवहार के व सुखी संपन्न डॉ. शैलेन्द्र कुमार के द्वारा जयनगर थाना में SC-ST के आरोप लगा कर झूठा प्राथमिकी कांड संख्या-89 /2025 दर्ज करने का निन्दा करते हुए उक्त डॉक्टरों की गिरफ्तारी और झूठा प्राथमिकी रद्द करते हुए कठोर कारवाई करने कि मांग जिलाधिकारी सिविल सर्जन एवं पुलिस अधीक्षक मधुबनी से किया गया। शौकत अली ने कहा कि डॉ. शैलेन्द्र कुमार के अपराधी रवैये का निन्दा किया गया और उक्त अपराधी प्रवृत्ति वाले डॉक्टरों पर अविलम्ब कार्रवाई नहीं किया गया तो बहुत जल्द ही बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वही इसको लेकर भाकपा माले नेता अब सड़क पर उतरकर आंदोलन करने लगी है भाकपा माले के नेता भूषण सिंह के साथ फोन पर डॉक्टर के द्वारा गाली गलौज किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है वही माकपा नेता शशि भूषण सिंह के साथ भी डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने मोबाइल फोन पर गाली गलौज कर उन्हें धमकी दिया इसको लेकर जयनगर अनुमंडल क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ताओं और नेताओं में आक्रोश व्याप्त है बताया जाता है कि जल्दी दोनों डॉक्टरों पर यदि कार्रवाई नहीं करती है स्वस्थ महकमा इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा जिसकी तैयारी में भाग पर भाजपा वाले कार्य करता और नेता लगे हुए हैं।

युवक को घर से बुलाकर चाकू मारकर हत्या

मधुबनी : मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के जलधारी चौक के निकट रहने वाले मोहम्मद अली के पुत्र 17 वर्षीय मोहम्मद दिलकश की पड़ोस के ही रहने वाले अबुल खैर के पुत्र मोहम्मद शाहनवाज ने घर से बुलाकर ले जाकर बिजली ऑफिस के सामने छुरा मारकर उसकी हत्या कर दी। बताया जाता है कि मृतक मोहम्मद दिलकश पड़ोस में रहने शाहनवाज को भाई बोल दिया बस इसके बाद शाहनवाज पर खफा होकर उससे उलझ गया और बोला बाप को भाई बोलता है इसके कुछ देर बाद दिलकश को घर से बुलाकर बाइक पर बैठ कर ले गया और उससे बोला कि तुम मुझे भाई क्यों बोला मैं तुम्हारा बाप लगता हूं इस बात पर दोनों में कहासुनी हुई और मोहम्मद शाहनवाज ने उसके पीठ में छुड़ा मार दिया छुड़ा लगने से मोहम्मद दिलकश वहीं पर गिरकर छटपटाते हुए दम तोड़ दिया। इसकी सूचना मोहम्मद दिलकश के पिता मोहम्मद अली को कुछ लोगों ने घर पर आकर दी जिसके बाद काफी संख्या में लोग दिलकश को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया लेकिन उसे हायर सेंटर ना ले जाकर शहर के ही एक निजी अस्पताल में ले गया जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई घटना की सूचना पाकर नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र राय एसआई उपेंद्र कुमार और दलबल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया जिसके बाद शव का देर रात्रि पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। हत्या आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया और उसके पिता को भी हिरासत में ले लिया है। नगर थाना पुलिस मामले की पूरी छानबीन कर रही है और मृतक के परिजन के आवेदन पर प्राथमिक की दर्ज करने की प्रक्रिया में लगी है ।

पूर्वांचल समाज ने गुरुग्राम नगर निगम मेयर भाजपा प्रत्याशी राजरानी मल्होत्रा को दिया समर्थन

गुरुग्राम : शहर के एक होटल में पूर्वांचल समाज के प्रबुद्ध लोगों की महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें गुरु ग्राम नगर निगम से भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजरानी मल्होत्रा को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की गई। इस अवसर पर मेयर प्रत्याशी के पति श्री तिलक राज मल्होत्रा जी कार्यक्रम में पहुंचे उन्होंने पूर्वांचल समाज द्वारा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक के क्षेत्र में किए गए सहयोग के लिए पूर्वांचल समाज की भरपूर प्रशंसा करते हुए कहा कि जब आपके समर्थन से हमारा मेयर होगा तो आपको कभी कोई चीज के लिए परेशान नहीं होने देंगे यह मेरा वादा है। आपकी कोई भी शिकायत आने पर प्राथमिकता के तौर पर उसका निदान किया जाएगा और आगे भी आप लोगों का सत्ता में भागीदारी के लिए भी मैं प्रयास करूंगा कि पूर्वांचल समाज को सत्ता में भागीदारी मिले। इसके लिए भी मैं कदम उठाउंगा, मैं यह आश्वासन ही नहीं देता बल्कि आपको करके दिखाउंगा आपको ऐसा लगेगा कि हमारे समाज का ही आदमी मेयर के पद पर बैठ हुआ है। कभी भी किसी भी वक्त हम आपके कार्य के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस सभा को संबोधित करते हुए, महावीर भारद्वाज ने आश्वासन दिया कि पूर्वांचल समाज की कोई भी समस्या होगी

तो हर हमेशा प्राथमिकता के तौर पर उसका निदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संयोजक पूर्व भाजपा पूर्वांचल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व जिला कार्यकारिणी सदस्य विपिन जायसवाल ने सभी पूर्वांचल भाइयों से आग्रह किया है कि हम लोग जिस एकता के साथ लोकसभा और विधानसभा में पार्टी का सहयोग किए हैं। इसी तरह गुरुग्राम नगर निगम में भी हम सभी लोग मेयर प्रत्याशी राज रानी मल्होत्रा और सभी भाजपा पार्षदों को भारी मतों से विजयी बनाकर भेजें। जिससे कि हमारा हर कार्य सुगमता से हो सके और भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनाए।

इस सभा को संबोधित व उपस्थित होकर समर्थन देने वाले पूर्वांचल समाज के पूर्व भू वैज्ञानिक पी एन सिंह, पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति के अध्यक्ष श्री प्रकाश राय, महासचिव संत कुमार, जनसेवा एवं सांस्कृतिक चेतना मंच के अध्यक्ष रणधीर राय, महासचिव शम्भू प्रसाद कुशवाहा, पूर्वांचल एकता मंच के अध्यक्ष संजय सिंह, पूर्वांचल जन कल्याण संघ मारुति कुंज शाखा के अध्यक्ष विनोद कुमार, भूमिजा मैथिली मंच के अध्यक्ष महावीर मिश्रा, यंग स्टार के अध्यक्ष डॉ. जे पी कुशवाहा, मिथिलांचल जनसेवा समिति के महासचिव विश्व विजय झा, टेकचंद नगर के प्रधान संजय कुमार सिंह, संस्कृति के सारथी के अध्यक्ष राम बहादुर सिंह, अधिवक्ता रीना झा, नीलिमा मिश्रा, अभियंता आर के जायसवाल, संदीप सिंह, अनुज सिंह, श्रवण दुबे, नरसिंह सिंह, श्रीनिवास ओझा, राजेश मंडल, शैलेंद कुमार, मंजय कुमार, मयंक दुबे, अनुपम झा, सतनारायण गुप्ता, राजेश यादव, संजीव सिंह, उपेंद्र यादव, बेचन मुखिया, शंकर गुप्ता, सिंगर राजू राज और सैकड़ो समाज के लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में बीएसएफ का बड़ा एक्शन! मवेशी तस्करों पर कसा शिकंजा

मालदा/ नदिया / मुर्शिदाबाद / उत्तर 24 परगना : बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के सतर्क जवानों ने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपनी मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई से तस्करी के कई प्रयासों को नाकाम किया। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में बीएसएफ ने तस्करों के चंगुल से 16 मवेशियों को मुक्त कराया, साथ ही 851 प्रतिबंधित फेंसेडिल की बोतलें, 12.15 किलोग्राम गांजा और अवैध रूप से ले जाए जा रहे 16 फिश पिन बॉल भी जब्त किए।

24-25 मार्च की मध्यरात्रि को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की 88वीं वाहिनी की सीमाचौकी एचसीपुर में रात्रि द्वितीय शिफ्ट के दौरान तैनात एक जवान ने भारत की ओर से 3-4 तस्करों को मवेशियों के साथ सीमा रेखा की ओर तेजी से बढ़ते हुए देखा। जवान ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए अपने साथी जवानों को अलर्ट किया और तस्करों की ओर दौड़कर उन्हें रुकने की चुनौती दी। तस्करों ने चेतावनी को नजरअंदाज किया और हाथ में धारदार हथियार लिए आक्रामक तरीके से मवेशियों को सीमा रेखा की ओर ले जाने लगे। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए जवान ने आत्मरक्षा और अवैध गतिविधि को रोकने के लिए सुरक्षित दूरी से पीएगी के दो राउंड फायर किए। गोलियों की आवाज से घबराए तस्कर हड़बड़ाहट में मवेशियों को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए तेजी से भारत की ओर भाग निकले। इलाके की गहन तलाशी के बाद बीएसएफ जवानों ने 7 मवेशियों को बरामद किया, जिन्हें सुरक्षित रूप से बीओपी एचसीपुर लाया गया। बीएसएफ की 88वीं बटालियन के जवानों ने सीमाचौकी एचसीपुर में 7 मवेशियों को तस्करों से छुड़ाने के अलावा, सीमाचौकी आगरा में भी मुस्तैदी दिखाते हुए 3 और मवेशियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया।

इसी दिन अन्य घटनाओं में बीएसएफ के सतर्क जवानों ने भारत बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के मालदा जिले में 2 और नदिया जिले में भी 4 मवेशियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया। इसके अलावा नशे के खिलाफ कार्रवाई के तहत अलग-अलग अभियानों में 851 प्रतिबंधित फेंसेडिल की बोतलें बरामद की गईं। वहीं, उत्तर 24 परगना जिले से 16 फिश पिन बॉल भी जब्त की गईं।

जब्त सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है व छुड़ाए गए मवेशियों को ई-टैगिंग के बाद ध्यान फाउंडेशन को सौंप दिया जाएगा।

दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी रोकने के लिए बीएसएफ के जवान चौबीसों घंटे सतर्कता के साथ तैनात हैं और पूरी मुस्तैदी से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तस्कर रोज नये-नये तरीके अपनाकर तस्करी करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं, परन्तु हमारे जवानों की लगातार सतर्कता से और रणनीतिक अभियानों के कारण तस्करी के बड़े प्रयासों को भी नाकाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी सूझबूझ और तेजी से की गई कार्रवाई न केवल तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर रही है, बल्कि उनके मनोबल को भी गिरा रही है। बीएसएफ अपनी कड़ी निगरानी और सटीक ऑपरेशनों के माध्यम से सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

बेटी के मंगेतर को दिल दे बैठी सास

अलीगढ़ : उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने रिश्तों की मर्यादा को शर्मसार कर दिया। यहां एक महिला अपनी ही बेटी के मंगेतर के साथ फरार हो गई। बेटी की शादी 16 अप्रैल को तय थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन उससे पहले ही मां ने अपने होने वाले दामाद राहुल (शिवा) के साथ घर छोड़ दिया। परिवार के अनुसार महिला अनिता देवी घर से करीब 5 लाख रु पये के जेवर और 3.50 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गई। घर में अब सिर्फ खाली अलमारियां और टूटी उम्मीदें बची हैं। बेटी सदमे में है, उसकी तबियत खराब हो गई है और घर में उसे ड्रिप चढ़ाई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सास और दामाद के बीच बीते 3-4 महीनों से बातचीत चल रही थी। यहां तक कि महिला ने खुद ही राहुल को स्मार्टफोन भी दिलाया था, जिससे वे घंटों बात करते थे। बेटी ने बताया कि मां राहुल से दिन में 20-20 घंटे बातें करती थी, जबकि राहुल उससे बातचीत ही नहीं करता था। बेटी का कहना है कि अब उसका अपनी मां से कोई रिश्ता नहीं बचा है। मां ने मेरी सारी खुशियां छीन लीं, अब वह जिए या मरे, मुझे फर्क नहीं पड़ता। बस हमारे पैसे और गहने वापस चाहिए। महिला के पति जितेंद्र कुमार ने बताया कि जब उन्होंने राहुल से संपर्क करने की कोशिश की, तो शुरुआत में उसने सब नकार दिया। लेकिन बाद में कहा, तुम लोगों ने उन्हें 20 साल तक बहुत परेशान किया है, अब भूल जाओ। मामला मदरक थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया है। पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है। सर्कल ऑफिसर महेश कुमार ने बताया कि जांच जारी है और जल्द ही फरार महिला और युवक को ढूंढ निकाला जाएगा।

राम रावण की धनुष गाथा

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : भगवान राम की जीवन गाथा एवं राक्षस रावण द्वारा प्रभावित जीवनयात्रा में कई घटनाएं पौराणिक कथाओं में कथित हैं। रामनवमी की पावन पर्व में आज जानते है, राम रावण की धनुष गाथा- आस्था और विश्वास की पर्व रामनवमी में, भगवान श्री राम के जन्मोत्सव हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता हैं। हवन और पूजन के माध्यम से बहीखाता की शुरुआत होती हैं। चैत्र मास की शुक्लपक्ष में राम नवमी मनाई जाती हैं, इसे चैत्र नवरात्रि भी कहा जाता हैं। लेकिन क्या जानते हैं कि इसके साथ जुड़ी हैं राम रावण की धनुष गाथा। 'श्री रामाय: रामभद्राय: रामचंद्राय: वेधसे रघुनाथाय नाथायां सीतायां पतायें नम:' भगवान श्री राम आदर्श ज्येष्ठ पुत्र और भाई तथा माता सीता के पति को नमन। पौराणिक मान्यता की अनुसार रामायण में दिव्य धनुष की जिक्र हैं। इस धनुष की महत्व कुछ कम नहीं। कहा जाता है कि भगवान शिव के पास एक दिव्य धनुष था। इस धनुष का नाम था पिनाक। देवदी देव महादेव ने त्रिपुरासुर का वध इस धनुष से किया था। जो धरोहर स्वरूप मिथिला के राजा जनक को प्राप्ति हुई थी।

पिनाक धनुष की विशेषता- पिनाक की टंकार से स्वर्ग,धरती और पाताल लोक में भूचाल आती थी। इतना तीव्रता थी पिनाक में। इसपर प्रत्यंचा चढ़ाते समय बादल फट जाती थी। इतनी शक्तिशाली था पिनाक। पिनाक की उठाना कोई सामान्य बात नई थी। अच्छे अच्छे महारथी पिनाक को उठाने में असफल हुए यानि पिनाक में अदभुत शक्ति था। एक बार महाराज जनक अपनी सुपुत्री सीता को लेकर परशुराम के आश्रम गाएं। जहां सीता ने अचानक पिनाक को उठा लिया। तब परशुराम ने मिथिला के राजा जनक को कहा कि जो सज्जन तथा धनुर्धर पिनाक पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा वही सीता के योग्यजीवनसाथी होगा। परशुराम के बात को ध्यान में रखते हुए राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता की स्वयंवर का आयोजन किया। कई राजकुमार इस सभा में आएं लेकिन पिनाक पर प्रत्यंचा और भंग सिर्फ अयोध्या के राजा दशरथ की ज्येष्ठपुत्र श्री राम ने किया। तभी से राम की श्लोक से गुंज उठी जनकपुरी, 'नव कंज लोचन कंज मुख कर कंज पद कंजारु णम् यानि श्रीरामचन्द्रजी कृपालु हैं। हे मन! उनके चरणों का भजन कर, जो संसार के दु:खों को हरने वाले हैं। रावण का धनुष कैसा था। पुराण के अनुसार रावण के पास भी एक धनुष था। इस धनुष का नाम था पोलत्स्य। राक्षस रावण ने अपनी तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न प्रसन्न किया था इसके उपरांत भगवान शिव ने वरदान के स्वरूप रावण को पिनाक धनुष प्रदान किया था। लेकिन अहंकारी रावण ने पिनाक को अपने में असफल रही।

8 मार्च को क्यों मनाते हैं महिला दिवस?

महिला दिवस का महत्व

- महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना।
- महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक,और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देना।
- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
- लैंगिक समानता की दिशा में काम करना।
- महिला शिक्षा और कार्यस्थल पर उनके हक को मजबूत करना।

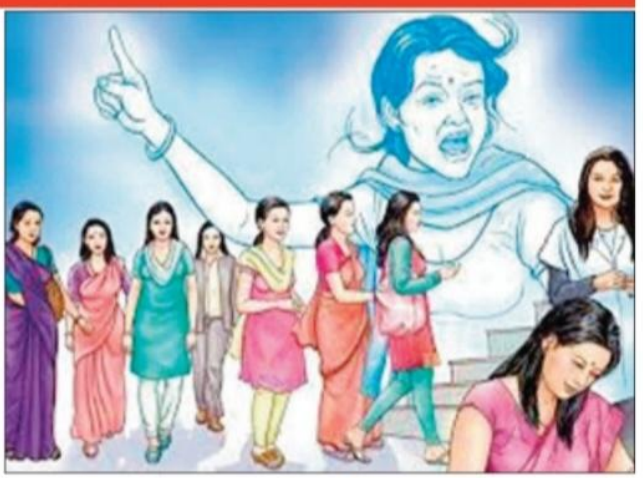

नई दिल्ली : जब तक महिलाएं हर क्षेत्र में स्वतंत्र और सशक्तन हो जाएं तब तक समाज को विकसित नहीं किया जा सकता है। महिलाओं के अधिकारों, समानता, उनके योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिला दिवस मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इसीलिए, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। आइए जानते हैं इस आर्टिकल में महिला दिवस मनाने की शुरु आत कब और क्यों हुई, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास पर नजर डालते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरु आत 20वीं सदी से हुई थी। 1908 में अमेरिका में कामकाजी महिलाओं ने कम वेतन, लंबे कार्य घंटे और मतदान के अधिकार की मांग को लेकर न्यूयॉर्क में प्रदर्शन किया था। इसके 1 साल बाद 1909 में अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने 28 फरवरी को पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। बाद में क्लारा जेटकिन नाम की समाजवादी नेता ने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद 1911 में आस्ट्रिया,जर्मनी, डेनमार्क और स्विट्जरलैंड में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। संयुक्तराष्ट्र ने 1975 को आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाने की घोषणा की।

महिला दिवस के लिए हर साल संयुक्त राष्ट्र एक थीम तय करता है। इस साल महिला दिवस 2025 की थीम 'कार्रवाई में तेजी लाना' है। यह थीम सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए समानता, अधिकार और सशक्तिकरण पर आधारित है।

महिला दिवस मनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हर साल महिला दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही, महिला अधिकारों और जागरूकता के लिए रैलियां निकाली जाती है तो कहीं पर सेमिनार जैसे कार्यक्रम का आयोजन होता है। महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और करियर से जुड़े विषयों पर चर्चा होती है।

माँ मुरादें पूरी कर दे

नवरात्रों के लिए मां दुर्गा के चमक उठे दरबार

मंदिरों में शुरू हुए शतचंडी पाठ व भजन-कीर्तन-हवन

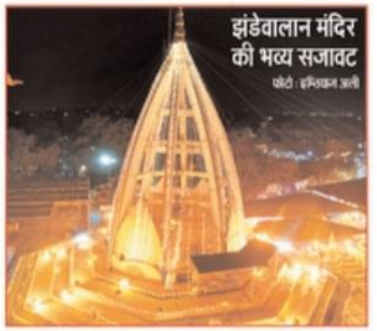

चैत्र मास के नवरात्र रविवार से शुरू हो रहे हैं। इस दौरान सभी मंदिरों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा भक्तिभाव से की जाएगी। इसके लिए दिल्ली/एनसीआर के सभी मंदिरों में तैयारी की गई है। इसमें खास तौर से राजधानी के मां के बड़े मंदिरों की अलग साज-सज्जा की गई है। कहीं मंदिरों को लाइट से सजाया गया है तो कहीं पूरे मंदिर पर मां की चुनर का रंग डाला गया है। आईए जगमगाते मंदिरों पर डालते हैं नज़र:

चंडी पाठ के साथ भव्य हवन-पूजन

नवरात्र से पहले दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में तैयारी पूरी कर ली गई है। मंदिर के चारों तरफ लोगों की सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए हैं। वहीं भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए कालकाजी मंदिर में पुलिस चौकी का भी निर्माण हुआ है। मंदिर को तरह तरह के फूलों से सजाया गया है। साथ ही दिल्ली पुलिस के जवान के साथ अर्ध सैनिक बलों की भी तैनाती कि जा रही है। नवरात्र के अवसर पर कालकाजी मंदिर में महायज्ञ चंडी पाठ का भी आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में आने के लिए 2 प्रवेश द्वार बनाए गए हैं, जो पहले द्वारा कमल मंदिर के तरफ से होगा तो वहीं दूसरा द्वार राम प्याऊ की तरफ से होगा। वहीं निकासी के लिए भी दो द्वार बनाए गए हैं जो एक मोदी मिल के तरफ से होगा निकलेगा तो वहीं दूसरा महंत परिसर के तरफ से होगा।

जागरण में गूंजेंगे माता के गीत

झंडेवालान मंदिर के ट्रस्टी रवींद्र गोयल ने बताया रविवार को सुबह ही सूर्य को अर्घ्य देकर नव संवत्सर वर्ष का स्वागत किया जाएगा। मंदिर में माता की जोत लेने के लिए लोगों का आना शुरू हो गया है। दिल्ली-एनसीआर से लगभग 800 मंदिरों के भक्त जोत लेने आते हैं। मंदिर की भव्य सजावट की गई है। 2500 पुरुष और 350 महिला सेवादार भक्तों की सेवा में दिन-रात तैनात रहेंगे। इसके अलावा भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए 260 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं मंदिर में विशेष जागरण का आयोजन भी किया गया है। जो सुबह 9 से रात 12 बजे तक रोजाना 4-4 कलाकार बारी-बारी से चौकी, जागरण आदि में हाजिरी लगाएंगे। नवरात्र पर्व 30 से आरंभ हो कर 6 अप्रैल तक बड़ी धूम-धाम से मनाया जाएगा। इस अवसर के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। किसी प्रकार का प्रसाद अथवा अन्य भेंट चढ़ाने की मनाही रहेगी।

रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाता रहेगा मंदिर

प्रीत विहार स्थित गुफा वाला मंदिर भक्तों में गुफा के चलते प्रसिद्ध है। मनत मां के नौ दिनों में इस मंदिर की आभा लाइटों के चलते अलग ही रंग में रंगी नजर आ रही है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि मंदिर मां के 9 दिनों वाली नवरात्रों में अलग ही रंग में रंग जाता है। इसकी छटा दूर तक भक्तों को नजर आती है। इस बार मंदिर में विशेष प्रसाद भोग और जागरण की खास तैयारी की है। मंदिर प्रांगण में भक्तों के लिए अलग अलग स्थान बनाए गए हैं। जोत लेने के लिए दूर के भक्तों को अलग द्वार से एंट्री दी जाएगी। वहीं आस पास के भक्तों के लिए मंदिर का मुख्य द्वार खोला जाएगा।

मां के पाठ से होगी पूजा

बिड़ला मंदिर में दुर्गा सप्तशती पाठ और भागवत सप्ताह में कौके मिश्र के अनुसार पंडित गिरिजानंदजी महाराज भागवत कथा सुनाएंगे। श्री पीतांबरा पीठ मंदिर विवेकानंद कोमलभ खुरेजी में श्रृंगार पूजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और चंडी कथा होगी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के पीतमपुरा में स्वामी नरेंद्रानंदजी के अनुसार 30 को नववर्ष जाएगा। प्राचीन सम्बाम आश्रम शिव हनुमान मंदिर, पंचकुइयां रोड में रोजाना दुर्गा सप्तशती पाठ और भजन कीर्तन होंगे।

राजस्थान के कलाकार प्रस्तुत करेंगे भजन

छतरपुर स्थित श्री आद्य कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर भक्तों के बीच विशेष आस्था का केंद्र है। यहां नवरात्र महोत्सव में विशेष पूजा की जाएगी। यहां नवरात्र पर ही भगवती का दरबार खोला जाता है। यहां के तीन मंदिरों में नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते हैं। मां के भजन गाने के लिए विशेष राजस्थान के गायक बुलवाए गए हैं जो मां के भजनों को गाकर दीवाना बनाएंगे।

मंदिरों ने की हैं विशेष तैयारियां

महरौली स्थित योग माया मंदिर में भी नवरात्र महोत्सव मनाया जाएगा। बाहरी रिंग रोड स्थित काली माता मंदिर में नवरात्र की तैयारी पूरी कर ली गई है। हरिनगर स्थित मोतीयों माता मंदिर में श्रद्धालु कतारबद्ध होकर देवी दर्शन करेंगे।

माता की चौकी से सजेगा विशेष दरबार

श्री वैष्णो दरबार शीतला माता मंदिर मधु विहार फेज-2 में पंडित वीरेंद्र शर्मा के अनुसार सुबह 7 बजे कलश स्थापना के बाद ज्योति प्रचंड होगी। नवरात्र में शतचंडी पाठ भजन कीर्तन, हवन और 3 समय भंडारे की व्यवस्था होगी। माता की चौकी लगाई जाएगी।

● भारत शर्मा

अपनी पसंद के लड़के से कराना चाहती थीं जाह्नवी की शादी

श्रीदेवी बॉलीवुड की ऐसी अदाकारा जिनका हर कोई दीवाना था। लेडी सुपरस्टार श्रीदेवी जिन्हें अपनी शानदार एक्टिंग और बेहतरीन फिल्मों के लिए हमेशा याद किया जाता है।

नई दिल्ली : जाह्नवी कपूर, श्रीदेवी की बेटी, अक्सर अपनी मां के बारे में बात करती हैं। हाल ही में, उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनकी मां उनकी शादी के लिए एकदम पक्की और निश्चित थीं। जाह्नवी ने बताया कि श्रीदेवी को अपनी बेटी के जजमेंट पर भरोसा नहीं था और वह चाहती थीं कि उनकी बेटी की शादी किसी ऐसे लड़के से हो, जिसे वह खुद पसंद करें। जाह्नवी ने कहा, मां हमेशा मुझसे कहती थीं कि वह मेरे किसी भी फैसले पर भरोसा नहीं करती थीं, खासकर प्यार के मामलों में। इसलिए, वह खुद मेरे लिए सही पार्टनर ढूंढना चाहती थीं। जाह्नवी ने यह भी बताया कि वह शादी के लिए एक ऐसे लड़के की तलाश कर रही हैं, जो टैलेंटेड हो, अपनी चीजों को लेकर उत्साहित हो और जिनसे वह कुछ नया सीख सकें। इसके साथ ही, उनके लिए अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर भी एक जरूरी गुण है। बता दें कि फिलहाल जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं, हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है। वे अक्सर एक साथ दिखाई देते हैं और जाह्नवी सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं। श्रीदेवी का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हुआ था, लेकिन उनकी फिल्मों और उनके योगदान के कारण वह हमेशा अपने फैंस के दिलों में जीवित रहेंगी।

यह 'सपना' सच होने जैसा : मेघा प्रसाद

छोटा पर्दा

धारावाहिक 'भाग्य लक्ष्मी' में खलनायिका मलिष्का की भूमिका निभाने वाली मायरा मिश्रा अब शो को अलविदा कह रही है और उसकी जगह अब यह किरदार मेघा प्रसाद निभाने जा रही है। इस पर अपनी खुशी साझा करते हुए मेघा ने कहा, ''यह मेरे लिए वाकई एक सपना सच होने जैसा है। कोलकाता में पली-बढ़ी, मैंने बालाजी के शो देखे और हमेशा सोचा कि मैं किसी दिन इसका हिस्सा बनूंगी। अब, उस सपने को जीना अवास्तविक लगता है। इस तरह के एक लोकप्रिय शो में कदम रखना बड़ी जिम्मेदारी के साथ आता है, लेकिन मैं इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए रोमांचित हूं।''

उम्मीद है दर्शकों से मिलेगा प्यार

उसने मायरा की तारीफ की, ''मायरा ने मलिष्का को आकार देने में अविश्वसनीय काम किया है और हालांकि यह किरदार मेरे लिए नया है लेकिन मैं इसकी आत्मा को बरकरार रखते हुए अपना सार लाने का वायदा करती हूं। कलाकारों ने बहुत गर्मजोशी से काम किया है और क्रू मुझे भूमिका की बारीकियों को समझने में मदद कर रहा है। एक टीम के रूप में, हम दर्शकों के लिए एक सहज बदलाव सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बदलाव मुश्किल हो सकता है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक मेरा उसी प्यार और गर्मजोशी से स्वागत करेंगे, जैसा उन्होंने हमेशा शो और उसके किरदारों के प्रति दिखाया है।''

'भाग्य लक्ष्मी' का निर्माण एकता कपूर और शोभा कपूर के बालाजी टैलीफिल्म्स द्वारा किया गया है। इस सीरीज में ऐश्वर्य खरे और रोहित सुचांती मुख्य भूमिकाओं में हैं। शो की कहानी लक्ष्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी में अप्रत्याशित मोड़ तब आता है जब उसका परिवार उसकी शादी एक अमीर व्यवसायी ऋषि ओबेरॉय से करवा देता है।

अब तक का करियर

छोटे पर्दे पर मेघा के अब तक के करियर की बात करें तो वह 'तेरे इश्क में घायल', 'परिणीति', 'अशोका', 'उड़ान', 'महाराज की जय हो' जैसे धारावाहिकों और वैब सीरीज में काम कर चुकी है। मेघा को अध्ययन सुमन के साथ म्यूजिक वीडियो 'सोनियो 2.0' में भी देखा गया था।

पसंद है घूमना-फिरना

एडल्ट विषय पर आधारित वैब सीरीज 'गंदी बात 4' में काफी बोल्ड रोल कर चुकी मेघा स्वभाव से काफी मस्त किस्म की है। उसे दोस्तों के साथ घूमना-फिरना बहुत अच्छा लगता है। उसने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह स्कूल में पढ़ती थी तो एक बार उसके पिता ने उसे ब्वॉयफ्रैंड के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया था। इसके बाद उसकी काफी पिटाई हुई थी।

उसने बताया कि वह अपने ब्वॉयफ्रैंड के साथ स्कूल से आ रही थी। दोनों ने हाथों में हाथ डाले हुए थे। तभी पीछे से किसी ने मेघा के कंधे पर हाथ रखा। मेघा को लगा कि कोई अन्य दोस्त है जो उसे बुला रहा है। मेघा ने हाथ झटक दिया। पीछे से फिर मेघा के कंधे पर हाथ आया तो मेघा ने फिर हाथ झटक दिया। तीसरी बार हाथ मेघा के कंधे पर आया तो उसे पीछे ही मोड़ दिया गया। तब मेघा के होश उड़ गए। उसने देखा कि उसके पिता उसे इतनी देर से पीछे से टैप कर रहे थे। मेघा बहुत घबरा गई थी।

मेघा के पिता बहुत गुस्से में आ गए थे और उनका गुस्सा इतना बढ़ गया था कि उन्होंने सबके सामने ही मेघा को पीटना शुरू कर दिया था।

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-वैद्यनाथ झा, फोन- 9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindusthan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Baidyanath Jha** Mo. 9798848926, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)